“भारत में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के प्रसार” पर टिप्पणी

सेवा में,
सलाहकार (ब्रॉडबैंड एवं नीति वश्लेषण)
भारतीय दूरसंचार नियामक प्रा धकरण (TRAI)
नई दिल्ली

वषय: “भारत में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के प्रसार” पर परामर्श पत्र के संदर्भ में टिप्प णयां

महोदय,

भारत में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के प्रसार से संबं धत परामर्श पत्र पर अपने सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर देने हेतु धन्यवाद। डजिटल इं डया के इस दौर में सार्वजनिक वाई-फाई केवल इंटरनेट सु वधा नहीं, बल्कि शक्षा, रोजगार, व्यापार, ई-गवर्नेंस और सामाजिक समानता का आधार बन चुका है। वशेष रूप से ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में यह डजिटल खाई को कम करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

मुख्य टिप्प णयां एवं सुझाव:

1. ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों को प्राथ मकता

सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का वस्तार केवल महानगरों तक सी मत न रहकर गांवों, पहाड़ी क्षेत्रों, सीमांत इलाकों और छोटे कस्बों तक कया जाना चाहिए। उत्तराखंड जैसे राज्यों में भौगो लक कठिनाइयों के कारण इंटरनेट पहुंच अभी भी सी मत है। ऐसे क्षेत्रों में पंचायत भवन, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त या सस्ती वाई-फाई सु वधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

2. पीएम-वाणी **(PM-WANI)** योजना को मजबूत बनाया जाए

PM-WANI योजना के अंतर्गत छोटे दुकानदारों और स्थानीय उद्य मयों को Public Data Office (PDO) के रूप में जोड़ने की प्र क्रया सरल बनाई जाए। लाइसें संग और तकनीकी प्र क्रयाओं को कम जटिल कया जाए ता क छोटे व्यवसाय भी इसमें भाग ले सकें।

3. डेटा सुरक्षा और गोपनीयता

सार्वजनिक वाई-फाई उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लए मजबूत साइबर सुरक्षा मानक लागू कए जाएं। उपयोगकर्ताओं की जानकारी का व्यावसायिक दुरुपयोग रोकने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

4. स्थानीय रोजगार और डजिटल अर्थव्यवस्था

सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क स्थानीय युवाओं के लए रोजगार और डजिटल सेवाओं के नए अवसर पैदा कर सकता है। सरकार को स्थानीय तकनीकी युवाओं को नेटवर्क प्रबंधन और रखरखाव में प्र शक्षण देने की योजना बनानी चाहिए।

5. शक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग

ग्रामीण स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथ मक स्वास्थ्य केंद्रों में सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराने से ऑनलाइन शक्षा, टेलीमे ड सन और सरकारी सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी।

6. सेवा गुणवत्ता की निगरानी

वाई-फाई नेटवर्क की गति, उपलब्धता और सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लए निय मत निगरानी तंत्र वक सत कया जाना चाहिए। केवल नेटवर्क स्था पत करना पर्याप्त नहीं होगा, उसकी निरंतर कार्यक्षमता भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का वस्तार भारत में डजिटल लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह केवल इंटरनेट सु वधा नहीं बल्कि सामाजिक और आ र्थक सशक्तिकरण का माध्यम है। नीति निर्माण में ग्रामीण भारत, छोटे व्यवसायों और डजिटल समानता को केंद्र में रखा जाना चाहिए।

भवदीय,
दिनेश पाल संह गुसाईं
संपादक ,दिव्यांग वाणी

२२/०५/२०२५

एड्रेस : ५६ गुसाईं हाउस ,मॉल गोदाम रोड ,
पन्नियाल्ली तल्ली ,लकरी पड़ाव ,
कोटद्वार , डस्ट्रिक्ट पौड़ी ,
उत्तराखंड ,२४६१४९.

जा.क्र.[illegible]